ज्वालामुखी योग - 12

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ प्रेरणा लेने वाले तो तैयार हैं लेकिन प्रेरणा देने वालों का क्या हाल है? वैसे कहावत है - **'देने वाला दे, लेने वाला थक जाये'।** लेकिन इस बात में लेने वाले, न मिलने के कारण थक रहे हैं। **लेने वाले लेने के लिए तैयार हैं और देने वाले स्वयं में ही अब तक लगे हुये हैं।** तो ब्रह्मा मुखवंशावली ब्राह्मणों का पोतामेल क्या हुआ है? वो जानते होया सुनायें।?

➳ _ ➳ ब्राह्मणों के रजिस्टर में विशेषता क्या देखी? विश्व-परिवर्तन व विश्व-कल्याण की शुभ भावना मैजॉरिटी के पास इमर्ज है, लेकिन चलते-चलते जैसे यादवों की स्पीड क्वेचन-माक्र्स (?) के कारण तीव्र नहीं होती, **ऐसे ब्राह्मणों की श्रेष्ठ भावना का प्रत्यक्ष फल प्राप्त होने वाला ही होता है तो बीच में कोई-न-कोई रॉयल रूप की कामना शुभ कामना को मर्ज कर देती है।** तो ब्राह्मणों की गतिविधि में शुभ भावना और रॉयल रूप की कामना - इन दोनों की कलाबाज़ी चल रही है।

➳ _ ➳ जैसे पके हुये फल को पंछी समाप्त कर देते हैं वैसे **भावना के प्राप्त हुये फल को कामना रूपी पंछी समाप्त कर देता है।** तो ब्राह्मणों के परिवर्तन करने की विधि **सिद्धि-स्वरूप न बनने का कारण भावना बदल 'कामना' हो जाना है।** इसलिये पुरुषार्थ ज्वाला रूप में नहीं होता है। ब्राह्मणों का ज्वाला-रूप विनाश-ज्वाला को प्रज्वलित करेगा। इसलिये ब्राह्मणों के पोतामेल में अब लास्ट सो फास्ट पुरुषार्थ ज्वाला-रूप का ही रहा हुआ है। यादवों का कार्य जैसे सम्पन्न हुआ ही पड़ा है, पाण्डवों का कार्य सम्पन्न होने वाला है। **पाण्डवों के कारण यादव रुके हुए हैं। पाण्डवों की श्रेष्ठ शान, रूहानी शान की स्थिति यादवों के परेशानी वाली परिस्थिति को समाप्त करेगी।** तो अपनी शान से परेशान आत्माओं को शान्ति और चैन का वरदान दो। समझा? तीनों का पोतामेल सुना? अच्छा!

(02.02.1976)

➢➢ दाता बनने के लिए ... पहले स्वयं को

➳ _ ➳ भरपूर करना होगा

→ तपस्या से

→ ज्ञान मंथन से

➢➢ रॉयल रूप की कामना

➳ _ ➳ पहले मैं करू

➳ _ ➳ पहले मैं प्रतक्ष्य हो जाऊं

➳ _ ➳ पहले मैं प्रसिद्ध हूँ जाऊं

→ महान आत्माएं प्रशंसा के प्रति अनासक्त रहती है

- प्रशंसा / सफलता पचाने की भी ताकत चाहिए

➳ _ ➳ पहले मेरा नाम हो जाये

➳ _ ➳ मेरी बहुत सारी स्तुति हो

→ जब हमें भगवान मिला था तो

- क्या हमने ये सोचा था :- की अब मेरी भी बहुत सारी स्तुति शुरू हो जाए

➢➢ रॉयल रूप की कामना समाप्त करने के लिए क्या करें ?

➳ _ ➳ SELF AUDITING करें

→ COMPLETE HONESTY के साथ

➳ _ ➳ सदैव स्मृति रहे

→ मैं हमेशा अतृप्त ही रहता है

→ मैं हमेशा भूखा ही रहता है